धोखाधड़ी

नीचे से लेकर उपर तक सबका हिस्सा फिक्स,प्रति नामांतरण 20 हजार के लेन-देन की चर्चा

प्रलोभन देकर भू माफिया दनादन करा रहे रजिस्ट्री

नवभारत, ब्योहारी। रिंग रोड और रेलवे लाईन का निर्माण होने की वजह से प्रभावित होने वाले भू खण्ड को भू माफ्मिा लोगों को भविष्य मे होने वाले लाभ का सपना दिखाकर रजिस्ट्री करायी जा रही है जिसका नजारा आज तहसील ब्योहारी मे देखने को मिला जंहा रजिस्ट्री कराने वाले क्रेता, विक्रेता और भू माफ्मिाओ का जमाहट लगा हुआ था। सूत्रों का कहना है कि रेलवे लाईन और रिंग रोड से प्रभावित होने वाले इन भू खण्डो के क्रय विक्रय पर दिनांक 05 फरवरी 2026 को प्रतिबंध लगना था किन्तु उक्त दिनांक को प्रतिबंध नहीं लगा एक दिन का समय और बढ़ गया है जिस वजह से प्रभावित होने वाले भू खण्डो के रजिस्ट्री का सिलसिला जारी है। चर्चा है कि यदि एक हफ्ता के अंदर जितनी भी रजिस्ट्री होई है यदि उसे खंगला गया तो सबसे ज्यादा रजिस्ट्री इन्ही प्रभावित होने वाले भू खण्डो का होना पाया जायेगा जिसकी निष्पक्ष जांच कर हाल ही मे हुए भू खण्डो की रजिस्ट्री के नमांतरण पर रोक नहीं लगाया गया तो आने वाले समय मे इसका खामियाजा शासन प्रशासन को भुगतना पड़ सकता जिसके लिए शीघ्र ही रिंग रोड और रेलवे लाईन से प्रभावित होने वाले भू खण्डो के क्रय विक्रय पर रोक लगाने की आवश्यकता है। अब देखने वाली बात यह है कि समाचार को कितनी गंभीरता से लिया जाता है और क्या कार्यवाही होती है।

एडवोकेट ज्ञानेंद्र मिश्रा ने एपस्टीन फाइल की कड़े शब्दों में की निंदा

नवभारत, शहडोल । बहुचर्चित और संवेदनशील एपस्टीन फाइल को लेकर एडवोकेट ज्ञानेंद्र मिश्रा ने जिस संतुलन, संवेदनशीलता और नैतिक साहस के साथ अपना पक्ष रखा है, उसने एक बार फिर उन्हें समाज के सजग, जिम्मेदार और निर्भीक प्रहरी के रूप में स्थापित कर दिया है। उन्होंने इस हृदयविदारक और नृशंस प्रकरण की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि यदि इसमें कोई भी भारतीय नागरिक, राजनीतिक व्यक्ति या उद्योगपति संलिप्त पाया जाता है, तो उसकी निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बिना ठोस जांच के किसी पर आरोप लगाना गलत है, लेकिन दोषियों को चिन्हित कर उन्हें कठोर सजा देना एक स्वस्थ और सभ्य समाज की बुनियाद है। एडवोकेट ज्ञानेंद्र मिश्रा केवल एक कुशल और अनुभवी अधिवक्ता ही नहीं, बल्कि वे वर्षों से गरीब, बेसहारा और पीड़ितों की मजबूत आवाज़ बनकर सामने आते रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि वे जरूरतमंद और असहाय लोगों से किसी भी प्रकार की फीस नहीं लेते और न्याय की लड़ाई को पूरी निष्ठा और सेवा भाव से लड़ते हैं।

कुएं में मिली लाश पर ग्रामीणों का हंगामा

▶हत्या की जताई आशंका न्याय की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में धरना

नवभारत, शहडोल। जैतपुर थाना क्षेत्र के कुंड गांव में करीब एक माह पहले कुएं में मिली एक युवक की लाश को लेकर अब मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस जहां इस घटना को सामान्य मौत मान रही है, वहीं परिजन इसे साजिशन हत्या बताते हुए न्याय की मांग पर अड़े हुए हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को मृतक के परिजन, गांव के सरपंच सहित दर्जनों ग्रामीण जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। जानकारी के अनुसार कुंड गांव निवासी भगवान दिन सिंह गोड 2 जनवरी को घर से दुकान जाने की बात कहकर निकला था। अगले दिन 3 जनवरी को उसका शव घर से महज 200 मीटर दूर स्थित एक कुएं में उतराता हुआ मिला था। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद इसे सामान्य मौत मानते हुए कार्रवाई की, लेकिन परिजनों ने शुरू से ही इस पर सवाल उठाए। मृतक की पत्नी भागवती सिंह ने आरोप लगाया कि उनके पति की हत्या कर शव को कुएं में फेंका गया है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से ही उन्होंने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के नाम पुलिस को दिए थे, लेकिन आज तक न तो उन्हें थाने बुलाया गया और न ही उनसे पूछताछ की गई। इसी उपेक्षा से आहत होकर वे गांव के लोगों के साथ धरने पर बैठने को मजबूर हुई हैं।धरने की सूचना मिलते ही अपर कलेक्टर (एडीएम) सरोधन सिंह मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत कर ज्ञापन लिया। एडीएम ने निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि परिजनों का कहना है कि जब तक उनके द्वारा बताए गए संदेहियों पर हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक वे धरने से नहीं उठेंगे। प्रशासन द्वारा परिजनों को समझाईश देकर मामले की जांच कराई जाएगी।

शासकीय विद्यालय पैलवाह में सरस्वती पूजन व वार्षिक उत्सव का आयोजन

नवभारत, पैलवाह । शासकीय उच्च. माध्यमिक विद्यालय पैलवाह मे साथ ही छात्रा वास मे गुरुवार को सरस्वती पूजन एवं भव्य वार्षिक उत्सव का आयोजन बड़े हर्षोउल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्या की देवी मां सरस्वती का पावन पूजन समारोह श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ धूमधाम से आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने विधि-विधान से मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर विद्या, बुद्धि और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे परिसर भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित हो गया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि शिक्षा ही जीवन का सबसे बड़ा धन है, जो व्यक्ति को सही मार्ग दिखाती है। वक्ताओं ने कहा कि मां सरस्वती हमें निरंतर सीखने, अनुशासन बनाए रखने और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देती हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधितकरते हुए कहा गया कि मां सरस्वती का आशीर्वाद केवल पूजा तक सीमित नहीं बल्कि परिश्रम, अनुशासन और अच्छे संस्कारों से प्राप्त होता है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इनमें लोक नृत्य, नाट्य मंचन और प्रेरणादायक गीत शामिल थे। उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना की। विद्यालय प्रबंधक द्वारा सभी अतिथियों, शिक्षकों, छात्रों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत मे प्रसाद वितरण किया गया।

यूजीसी विनियम 2026 विरोध में सर्व समाज का आज होगा प्रदर्शन

▶राष्ट्रपति के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

नवभारत, शहडोल । यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु) विनियम 2026 के विभाजनकारी प्रावधानों के विरोध में शहडोल में सर्व समाज एकजुट शहडोल जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु) विनियम, 2026 के उन प्रावधानों का कड़ा विरोध किया है, जो अनारक्षित (सामान्य) वर्ग के भारतीय नागरिकों को अलग-अलग करने, नफरत फैलाने वाली एवं समाज में विभाजनकारी नीति को बढ़ावा देते प्रतीत होते हैं। बैठक में विमर्श में कहा गया है इस विनियम के कुछ अस्पष्ट एवं एकतरफा प्रावधानों से सामान्य वर्ग के छात्रों, शिक्षकों एवं नागरिकों में भय एवं असुरक्षा की भावना व्याप्त है, जो संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के सिद्धांत के विरुद्ध है। यह नीति उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के नाम पर वास्तव में समाज को बाँटने एवं प्रतिभा को दबाने का माध्यम बन सकती है।

इसी संदर्भ में दिनांक 05 जनवरी 2026 (शुक्रवार) को दोपहर बाद शहडोल नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों की एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस अन्यायपूर्ण नीति के विरोध में शहडोल के सर्व समाज समन्वय समिति के माध्यम से जिला कलेक्टर, शहडोल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही, व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाने एवं विरोध दर्ज कराने के लिए दिनांक 06 फरवरी 2026 (शुक्रवार) को दोपहर में शहडोल जय स्तंभ चौक पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित कर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद से प्रकाश तिवारी, जय किशन तिवारी जिला कायस्थ समाज से सुनील खरे जिला ब्राह्मण समाज से पंडित वाल्मीकि गौतम रॉयल राजपूत संगठन से शिवम सिंह सर्व वैश्य समाज से लक्ष्मण गुप्तापेंशनर एसोसिएशन से एस.पी. गौतमअखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद से पंडित दया शंकर शुक्ला, त्रिलोकीनाथ गर्ग, राममिलन शर्मा, चंद्रिका प्रसाद शुक्ला, निखिल त्रिपाठी अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा से शक्ति सिंह चंदेल अखंड ब्राह्मण सेवा समिति भारतवर्ष से अखिलेश शर्मा उप सरपंच संगठन शहडोल से प्रभाकर तिवारी सभी संगठनों एवं उपस्थित नागरिकों ने सर्व समाज से अपील की है कि वे 06 फरवरी 2026 को दोपहर में जय स्तंभ चौक पर आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल हों, ताकि इस विभाजनकारी नीति के विरुद्ध एकजुट आवाज बुलंद की जा सके। हमारा उद्देश्य समाज में समरसता, समानता एवं न्याय की स्थापना है, न कि किसी वर्ग के विरुद्ध नफरत फैलाना संविधान भी इसकी इजाजत नहीं देता है।

पानी की टंकी पर चढ़कर युवक ने चार घंटे तक किया हंगामा

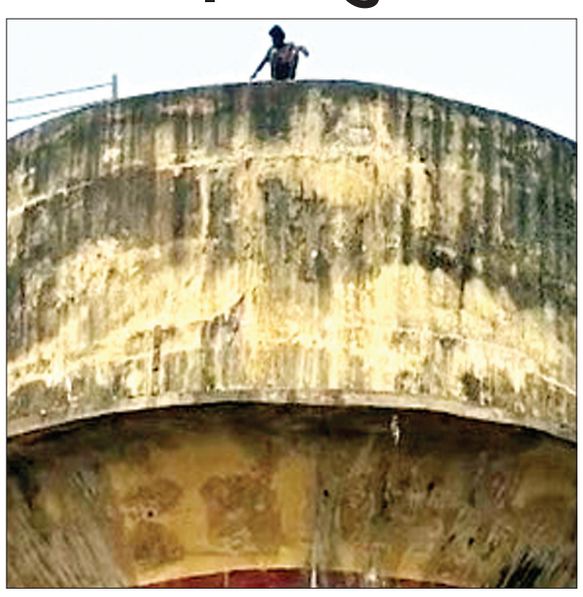

नवभारत, शहडोल । शहडोल जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब वार्ड क्रमांक 3 विलियस नंबर-1 निवासी गोलू ने फिल्म शोले के वीरू की तरह पानी की टंकी पर चढ़कर हाई-वोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया। मानसिक रूप से कमजोर बताए जा रहे इस युवक ने टंकी के ऊपर से पानी में कूदने तो कभी नीचे छलांग लगाने की धमकी देकर इलाके में सनसनी फैला दी। यह घटनाक्रम करीब चार घंटे से अधिक समय तक चला, जिसके दौरान पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोग सांसें थामे मौके पर डटे रहे।

पुलिस के अनुसार गोलू कुछ दिन पहले अपनी मां और भाई पर कुल्हाड़ी लेकर हमला करने दौड़ा था। इस वजह से परिवार के लोग उसकी हरकतों से परेशान होकर सुरक्षा के लिहाज से उसके हाथ-पांव रस्सी से बांधकर रखते थे। बुधवार को वह किसी तरह खुद को रस्सियों से मुक्त कराकर घर से भाग निकला और स्टेट हॉस्पिटल के पीछे स्थित पानी की टंकी पर जा चढ़ा। परिवार द्वारा हाथ-पांव बांधने से नाराज गोलू ऊपर चढ़कर लगातार हंगामा करता रहा और तरह-तरह की मांगें करता रहा।घटना की सूचना मिलते ही धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने उसे समझाने-बुझाने के लिए बातचीत, समझाइश और प्रलोभन जैसे सभी उपाय अपनाए, लेकिन युवक टंकी में भरे पानी में कूदने और ऊपर से छलांग लगाने की धमकी देता रहा। रेस्क्यू के प्रयासों में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी, वहीं मौके पर बड़ी संख्या में लोग भी जमा हो गए।

गौरतलब है कि इससे पहले 17 जनवरी को भी गोलू पास के मोनाली टावर पर चढ़ गया था और 100 रुपये की मांग कर रहा था। तब थाना प्रभारी ने सूझबूझ दिखाते हुए 100 रुपये देकर उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया था। पुलिस के अनुसार युवक मानसिक रूप से कमजोर है बताया गया किमहज 18 दिन में दूसरी बार इस तरह का ड्रामा सामने आने से प्रशासन और स्थानीय लोग सकते में हैं।

केशवाही में उप-तहसील, थाना और अस्पताल की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन

नवभारत, केशवाही। केशवाही क्षेत्र में उप-तहसील, फुल थाना एवं 50 सीटर अस्पताल की स्थापना की मांग को लेकर बुधवार को केशवाही में एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जनहितकारी आंदोलन में क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों ने सहभागिता कर अपनी वर्षों पुरानी मांगों को बुलंद आवाज़ दी। कार्यक्रम में विधायक पुष्पराजगढ़ पुंदेलाल मार्को एवं जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष अजय अवस्थी की गरिमामयी उपस्थिति रही। आंदोलन के संयोजक माधव प्रजापति (अध्यक्ष, अनुसूचित जाति विभाग, जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल) रहे।

धरना स्थल को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय अवस्थी ने कहा कि केशवाही एवं आसपास का क्षेत्र लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। उप-तहसील, थाना और अस्पताल जैसी आवश्यक सेवाओं के अभाव में आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जनता की इन न्यायसंगत मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया, तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। कार्यक्रम में विशेष रूप से अनुज मिश्रा, राजीव शर्मा, जनपद अध्यक्ष बुढ़ार उमा धुर्वे, तथा आईटी सेल एवं मीडिया विभाग अध्यक्ष प्रितेश द्विवेदी उपस्थित रहे। इसके अलावा ब्लॉक अध्यक्ष केशवाही, मोहम्मद रेहान, अनिरुद्ध सिंह, राजमणि तिवारी, ओंकार सिंह, नर्मदा सिंह एवं विमल कोर्चे सहित अनेक कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही।धरना-प्रदर्शन के उपरांत प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मांगों को शीघ्र पूरा करने की अपील की गई।

कोटिगढ़ जंगल में भालू के शावक की निर्मम हत्या

नवभारत, शहडोल । जयसिंहनगर के कोटिगढ़ जंगल में ग्रामीणों ने कुल्हाड़ी से दो माह के भालू शावक की हत्या कर दी,बताया जा रहा कि चरवाहे पर भालू के हमले के बाद यह घटना हुई थी। वन विभाग ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। लगातार वन्यजीव मौतों से गश्त व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। जयसिंहनगर वन परिक्षेत्र के कोटिगढ़ जंगल में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां भालू के मात्र दो माह के शावक की टांगी से हमला कर हत्या कर दी गई। यह घटना जिले में हाल ही में हुई दो बाघों की संदिग्ध मौत से पहले की बताई जा रही है, जिससे वन विभाग की कार्यप्रणाली और गश्त व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 28 जनवरी को कोटिगढ़ जंगल क्षेत्र में मवेशी चरा रहे एक चरवाहे पर भालू ने हमला कर दिया था। हमले में चरवाहा घायल हो गया, जिसे स्थानीय ग्रामीणों और वन कर्मियों की मदद से उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और भालू को देखने व खदेड़ने के उद्देश्य से जंगल की ओर चले गए। इसी दौरान ग्रामीणों के समूह में शामिल एक व्यक्ति के हाथ में कुल्हाड़ी थी। बताया गया कि मादा भालू उस समय वहां मौजूद नहीं थी, लेकिन जंगल में उसका एक शावक दिखाई दे गया। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से शावक पर हमला कर दिया, जिससे करीब दो माह के मासूम भालू शावक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पंच परिवर्तन से होगी सनातन की रक्षा : कमल सिंह राठौर

नवभारत,शहडोल। सकल हिंदू समाज के द्वारा पूरे देश में आयोजित हो रहे विशाल हिंदू सम्मेलन में हिंदू समाज को एकता समरसता के भाव में जोड़ने का महत्वपूर्ण काम किया है। गौरतलब है शहडोल जिले में 108 स्थान पर विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन 15 जनवरी से लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार 4 फरवरी को खन्नौधी बस स्टैंड के पास विशाल प्रांगण में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री कमल सिंह राठौर विभाग प्रचारक शहडोल, संत सामाजिक वक्ता के रूप में श्री जानकी शरण जी एवं मातृशक्ति का प्रतिनिधित्व साध्वी सुश्री कृष्णागी तिवारी एवं श्रीमती डॉ अर्चना जायसवाल मंचासीन रही। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता की दीप ,पुष्प अर्पित करके हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री कमल सिंह राठौर के द्वारा पंच परिवर्तन से सनातन की रक्षा को लेकर सभी बिंदुओं के बारे मे बताया गया कि कुटुंब प्रबोधन में आज परिवार की एकता समरसता और एकात्मता तथा संस्कार बच्चों को न केवल हिंदुत्व का बोध कराते हैं बल्कि सनातन मूल्य और विचारों को भी उनके संस्कारों में सम्मिलित करते हैं। जो बच्चों को भविष्य की तमाम तरह की आने वाली सामाजिक कठिनाइयों से बचाने और निरंतर आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करता है। सामाजिक सद्भाव समरसता दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है। जहां पर समाज के हर व्यक्ति को सर्वप्रथम हिंदू का भाव रखते हुए सभी के साथ व्यवहार करना चाहिए ऐसा एक संत ने समाज उद्धार के लिए कहा था। जो आज की परिपेक्ष में बहुत जरूरी होता जा रहा है। तीसरा महत्वपूर्ण बिंदु स्व का भाव है।

हम अपने जीवन में जिन वस्तुओं का भी सेवन करते हैं वे वस्तुएं क्या हमें स्व का बोध कराती है। अर्थात क्या वह हमारे प्रकृति सनातन विचार और देश में स्थापित मूल्य के अनुकूल है, हमारा खानपान रहन-सहन हमारे विचार सभी चीजों को स्व से जोड़कर हम समाज में सनातन की रक्षा कर सकते हैं। चौथा बिंदु है नागरिक कर्तव्य हम हमेशा अपने अधिकारों की बात करते हैं और यह जानने में लगे रहते हैं कि कानून और समाज ने हमें कौन-कौन से अधिकार दिए हैं, लेकिन हम कभी अपने कर्तव्यों की बात नहीं करते हैं, जब तक हम अपने कर्तव्यों का बोध करते हुए समाज और देश हित मे कार्य नहीं करेंगे तब तक समाज और सनातन की रक्षा कैसे होगी। इसलिए हम सभी को अपने मौलिक कर्तव्यों का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। संघ शताब्दी वर्ष का आयोजन किसी बड़े कार्यक्रम के रूप में भी कर सकता था लेकिन संघ की स्थापना का मूल उद्देश्य हिंदुओं को जोड़ना था इसलिए संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में विविध कार्यक्रमों के माध्यम से हिंदू समाज को जोड़ने का काम किया है।

हिंदू संस्कृति सनातन मूल्य ने हमेशा विश्व का कल्याण किया है जब-जब हिंदू सशक्त होता है तब तब विश्व का कल्याण होता है। यह कोई सुनी सुनाई बात नहीं बल्कि इतिहास के पन्नों में दर्ज सत्य है। संगठित हिंदू समर्थ भारत यह वक्तव्य नहीं इतिहास का प्रमाण है। विशाल हिंदू सम्मेलन में लगभग 1500 हिंदुओं की सहभागिता रही। जिसमें मातृशक्ति, युवा एवं सकल हिंदू समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में आदिवासी नृत्य, पंच परिवर्तन का सुंदर चित्रण ने लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा है। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती एवं समरसता भोज के साथ किया गया।